`

ज्ञानवर्धिनी संस्था

सोनुभाऊ बसवंत कला आणि वाणिज्य महाविद्यालय, शहापूर

हिंदी विभाग

==========

फिल्ड व्हिजिट प्रतिवेदन

दिनांक 8 सितंबर 2026 को सुबह 11:00 बजे फील्ड प्रोजेक्ट के अंतर्गत महाविद्यालय के S.Y.B. A. के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय का भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण में कुल 27 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकालय की कार्यप्रणाली, वहाँ उपलब्ध पुस्तकों तथा पुस्तकालय के शैक्षणिक महत्त्व से परिचित कराना था।

प्राचार्य डॉक्टर एस.एल.गायकवाड सर (हिंदी विभाग प्रमुख) ने यह गतिविधि लेने के लिए मान्यता देकर , पुरा सहयोग दिया । इस भ्रमण के दौरान पुस्तकालय प्रमुख डॉ.प्रा. एस. एस. वाघमोडे सर ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की पुस्तकों की जानकारी दी। इसमें हिंदी, साहित्य की पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, कहानी संग्रह, उपन्यास, कविता संग्रह, पत्रिकाएँ तथा समाचार पत्र आदि का परिचय कराया गया।

विद्यार्थियों को बताया गया कि पुस्तक का शीर्षक कहा होता है , लेखक का नाम कहा होता है, पुस्तक का प्रकाशक कौन है, संस्करण कितवा है , मूल्य कितना है, पुस्तक में बारकोड नंबर कहा होता है, उसके बाद ISBN नंबर कहा होता है ,पुस्तकालय में पुस्तकों का वर्गीकरण किस प्रकार किया जाता है तथा पुस्तकों का रिकॉर्ड कैसे रखा जाता है। इसके साथ ही पुस्तकें प्राप्त करने और वापस जमा करने की प्रक्रिया की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई ।

इस अवसर पर मार्गदर्शक प्रा. साधना माळी एवं प्रा . राजेश बांगारे सर ने विद्यार्थियों को फील्ड प्रोजेक्ट के महत्त्व के बारे में मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों ने पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न पुस्तकों का निरीक्षण किया और अपने विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्राप्त की। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकालय की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इस गतिविधि में भाग लिया।

महाविद्यालय के पुस्तकालय का यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकों के महत्त्व, पुस्तकालय की कार्यप्रणाली तथा अध्ययन के लिए संदर्भ साहित्य के उपयोग की जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही विद्यार्थियों में वाचन, अध्ययन और शोध के प्रति रुचि विकसित हुई। इस प्रकार फील्ड प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित यह गतिविधि सफल रही।